Sixteenth Loksabha

an>

Title: Issue related to the Maratha reservation movements.

श्री चन्द्रकांत खैरे (औरंगाबाद): अध्यक्ष महोदया, कल महाराष्ट्र पूरी तरह से बंद था। कई जगह बंद शातिपूर्ण था, तो कई जगह हादसे हुए। मैं कहूंगा कि मराठा आंदोलन के लिए सारे कार्यकर्ता रास्ते पर आए थे, मगर बड़ी शांतिपूर्ण तरीके से उन्होंने आंदोलन किया। मराठा समाज को आरक्षण मिलना ही चाहिए। सभी दलों ने इसके लिए मांग की है। शिव सेना पार्टी ने भी मांग की है कि मराठा समाज को आरक्षण मिलना चाहिए।

वालुज, बजाजनगर बहुत बड़ा इंडस्ट्रियल एरिया है। वहां बंद होने के कारण बंद फैक्ट्रीज में कई लोग घुसे। मराठासमाज के आंदोलन को बदनाम करने के लिए कुछ लोग उसमें घुसे और अंदर जाकर तोड़फोड़ की, कंप्यूटर तोड़े। मैं आपको कंपनियों के नाम बताता हूं। स्टरलाइट एक बड़ी कंपनी है,उनके यहां गए, इंड्योरेंस में गए, गुडईयर में गए, सिमेंस में गए, एफडीसी में गए, माइलॉन में गए, एट्रा फार्मा में गए, एनआरबी बेयरिंग में गए, कांपैक में गए, वोकहार्ट में गए। यह सब पुलिस के सामने हो रहा था। पुलिस के सामने फायर ब्रिगेड की गाड़ी जलाई गई, पुलिस की गाड़ी भी जलाई गई। पुलिस कमिश्नर वहां मौजूद थे, लेकिन उन्होंने कुछ भी नहीं किया। मैं आपके माध्यम से पूछना चाहूंगा कि ये लोग कौन थे, जिन्होंने आंदोलन को बदनाम करने के लिए वहां तोड़फोड़ की। भारत सरकार की ओर से इसकी इंक्वायरी होनी चाहिए और उनके ऊपर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

माननीय अध्यक्ष:

श्री भैरों प्रसाद मिश्र और

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देलको श्री चन्द्रकांत खैरे द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।